DSSSB TGT & PGT
दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड
ROJGAR
ANKIT
Part-B
SCHOLAR BATCH
MODERN HISTORY
भारत छोड़ो आंदोलन
Part -2
LIVE
30-07-2024 04:00 PM

अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बंबई बैठक

- 1 अगस्त, 1942 ई० को इलाहाबाद में तिलक दिवस मनाया गया। इस समय नेहरू ने कहा था- "हम आग से खेलने जा रहे हैं तथा ऐसे दोधारी तलवारों का प्रयोग करने जा रहे हैं, जिसकी चोट उल्टे हमारे ऊपर भी पड़ सकती है।"

- 7 अगस्त, 1942 ई० को बंबई के ग्वालिया टैंक मैदान में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। यह अखिल भारतीय कांग्रेस समिति की बैठक थी।

- इस दिन मौलाना आज़ाद के अध्यक्षीय उद्घाटन भाषण के पश्चात् जवाहरलाल नेहरू ने ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो प्रस्ताव' प्रस्तुत किया।

- इस प्रस्ताव को अंतिम रूप जवाहरलाल नेहरू ने दिया था। प्रस्ताव का पहला प्रारूप उन्होंने 5 अगस्त, 1942 ई० को ही लिखा था।

- जवाहरलाल नेहरू के द्वारा प्रस्तुत इस प्रस्ताव का समर्थन सरदार वल्लभभाई पटेल ने किया। इस अवसर पर सरदार पटेल ने कहा- "हम आज़ादी की आखिरीलड़ाई छेड़ने वाले हैं।"

- बंबई के इस अधिवेशन में कांग्रेस के अध्यक्ष अबुल कलाम आज़ाद ने कहा कि"समय आ गया है कि अब धमकी तथा वायदे से कार्य नहीं चलेगा। हमें तुरंत अन्य कोई कदम उठाने चाहिए।" भारत छोड़ो आंदोलन के बंबई प्रस्ताव को प्रायः सर्वसम्मति से पास करा दिया गया।

- इस प्रस्ताव का विरोध 13 सदस्यों ने किया, जिसमें 12 सदस्य कम्युनिस्ट थे। सोवियत संघ पर जर्मनी केहमले के बाद भारत के कम्युनिस्टों ने मित्र राष्ट्रों के प्रति सहयोगात्मक रवैया अपनाते हुए साम्राज्यवादी युद्ध को 'जनयुद्ध' घोषित कर दिया था।

- गांधी जी ने इस ऐतिहासिक सम्मेलन में 8 अगस्त को 'करो या मरो' का नारा दिया था। इसमें इन्होंने अपने 70 मिनट के भाषण के दौरान कहा था- "यह आंदोलन कांग्रेस की अंतिम कोशिश होगी, जिसमें या तो भारतीय स्वतंत्रता प्राप्त करेंगे या फिर मर मिटेंगें।"

- **ऑपरेशन जीरो आवर व आंदोलन की शुरुआत**
- गांधीजी के द्वारा यह आंदोलन प्रारंभ किया जाता, इसके पूर्व ही 9 अगस्त की सुबह ब्रिटिश सरकार ने 'आपरेशन जीरो आवर' के तहत कांग्रेस के सभी महत्त्वपूर्ण नेताओं को गिरफ़्तार कर लिया। कांग्रेस को गैर कानूनी संस्था घोषित कर दिया गया।

- गांधी जी को कस्तूरबा गांधी, सरोजनी नायडू, महादेव देसाई आदि के साथ पुणे के आगा खां पैलेस में कैद कर लिया गया।

- जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आज़ाद तथा आसफ अली जैसे कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों को अहमदनगर दुर्ग में कैद कर लिया गया।

- उल्लेखनीय है कि अहमदनगर के दुर्ग में ही बंदी जीवन के रूप में जवाहरलाल नेहरू ने अपनी इतिहास प्रसिद्ध पुस्तक 'भारत की खोज' (The discovery of India) की रचना 1944 ई० में अप्रैल-सितंबर - के बीच मूलतः अंग्रेज़ी भाषा में की थी। यह उनकी नवीं एवं सबसे लंबी कैद (1041 दिन) थी।

- बाद में जवाहरलाल नेहरू को अल्मोड़ा (उत्तराखंड) जेल में तथा मौलाना आज़ाद को बांकुड़ा (पश्चिम - बंगाल) जेल में रखा गया।

❖ उल्लेखनीय है कि इस आंदोलन के दौरान जवाहर लाल नेहरू को क्रमशः नैनी सेंट्रल जेल, बरेली के इज्जतनगर सेंट्रल जेल तथा अल्मोड़ा के पहाड़ी जेल में ले जाया गया था।

राजेन्द्र प्रसाद इस समय तक बम्बई नहीं पहुंच चुके थे, इसलिए उन्हें पटना से ही गिरफ्तार कर लिया गया। और बांकीपुर जेल ले जाया गया।

आगा खां पैलेस में ही दिल का दौरा पड़ने से गांधी जी के निजी सचिव महादेव देसाई की मृत्यु हो गयी।

महादेव देसाई जी की मृत्यु के बाद गांधी जी के निजी सचिव प्यारेलाल नैयर बने। उनकी बहन सुशीला नैयर गांधी जी की निजी डॉक्टर थी।

भारत छोड़ो आंदोलन गांधी जी के अन्य दोनों राष्ट्रीय आंदोलन की तुलना में अत्यधिक उग्र था।

महत्वपूर्ण कांग्रेसी नेताओं की गिरफ्तारी के बाद भी आंदोलन की बागडोर – कुछ प्रमुख युवाओं के हाथों में थी, जिनमें प्रमुख हैं -

जयप्रकाश नारायण
राममनोहर लोहिया
अरुणा आसफ अली
बीजू पटनायक
सुचेता कृपलानी
अच्युत पटवर्धन ने गुप्त तरीके से आंदोलन को जारी रखा।

आंदोलन की विशेषताएं :-

① महत्वपूर्ण नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन का स्वरूप नेतृत्व विहीन था। अतः आंदोलन स्वतः स्फूर्त था।

② आंदोलनकारियों ने भूमिगत रहकर रेडियो संवादों के माध्यम से अपने विचारों को जन जन तक पहुंचाया।

③ राममनोहर लोहिया, वीरेन खाखर और ऊषा मेहता इस अग्रणी सदस्यों में से थे, जिन्होंने सूचना प्रसारण कार्यक्रमों की व्यवस्था की।

① रेडियो स्टेशनों से जो बुलेटिन प्रकाशित किये जाते थे, उन्हें Do or Die बुलेटिन कहा जाता था।

② इन रेडियो कार्यक्रमों को वॉयस ऑफ फ्रीडम कहा जाता था।

आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी, आंदोलनकारियों ने समानान्तर सरकार स्थापित कर ली।

बलिया = चित्तू पाण्डेय

सतारा = नाना पाटिल (सर्वाधिक दीर्घजीवी)

बंगाल के तामलुक

उड़ीसा के तलचर मे समानान्तर सर